

NCERTs are overwhelming when you are reading them for the first time. When you read them for the second time they are simply amazing and the third reading makes you realize how enlightening and insightful they can be.



इकाई 01 || Unit 01

परिचय एवं रणनीति || Introduction and Strategy

8) हमारा पाठ्यक्रम - भूगोल ||
Our Curriculum

7) पिछले वर्षों के प्रश्न ||
Previous years questions

6) आपसे आशाएं || Hopes
from you

5) हमारी रणनीति || Our
Strategy



1) FAQs - Frequently
Asked Questions

2) क्या और क्यों? || What &
Why?

3) कैसे पढ़ें? || How to read?

4) कौन सी एनसीआरटी पढ़ें? ||
Which one to read?

1) FAQs - Frequently Asked Questions

- 1) इस कोर्स का उद्देश्य क्या है? || What is the purpose of this course?
 - ☺ इस कोर्स में कक्षा 6 से लेकर 12 तक की सिर्फ भूगोल की NCERT (NEW) को कवर किया जाएगा || This course will cover NCERT of Geography from class 6 to 12
- 2) इस कोर्स की कक्षाएं कहां पर होंगी? || Where will the classes for this course be held?
 - ☺ <https://khanglobalstudies.com/> वेबसाइट पर
- 3) इस कोर्स की भाषा क्या है? || What is the language of this course?
 - ☺ हिंदी एवं अंग्रेजी || Hindi and English
- 4) यह कोर्स किस परीक्षा के लिए उपयोगी है? || For which exam, this course is helpful?
 - ☺ UPSC, State PCSs, SSC etc.



- 5) इस कक्षा का पीडीएफ कहां से प्राप्त कर सकते हैं? || Where can I get the PDF of this class?
 - ☺ खान ग्लोबल स्टडी के टेलीग्राम चैनल और कोर्स पेज पर
- 6) क्या नोट्स बनाना है? || Do we need to make notes?
 - ☺ सिर्फ सिनॉप्सिस || Just the synopsis
- 7) क्या इस कोर्स के बाद एनसीआरटी पढ़ने की आवश्यकता है? || Is it necessary to read NCERT after this course?
 - ☺ सिर्फ चयनात्मक || Only selective
- 8) यह कोर्स कितने कक्षा में कंप्लीट होगा?
 - ☺ लगभग 90 घंटे या 90 कक्षाएं
- 9) क्या इसमें टेस्ट भी होंगे और अगर होंगे तो कहां?
 - ☺ वस्तुनिष्ठ प्रश्न और विषयगत प्रश्न, जो खान ग्लोबल स्टडीज की वेबसाइट के टेस्ट सीरीज़/डेली क्विज पर उपलब्ध होंगे || Objective Questions and Subjective Questions will be provided on Test Series/Daily Quiz section of Khan Global Studies website

2) क्या और क्यों? || What & Why?

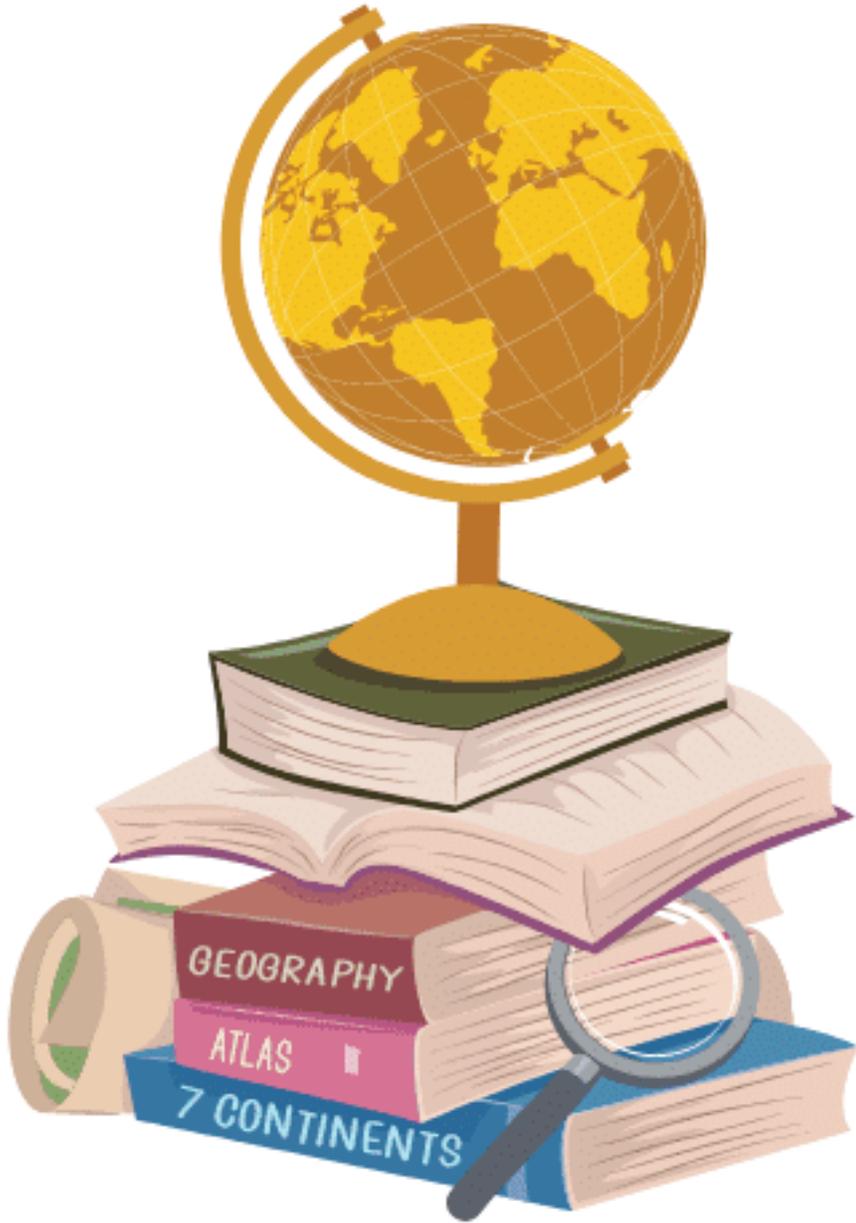
- 📖 स्कूली बच्चों के लिए बहुत ही सरल और स्पष्ट तरीके से लिखी गई पाठ्यपुस्तकें || Textbooks for school children, written in a very simple and lucid manner
- 📖 प्रत्येक वर्ष एनसीईआरटी से प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से प्रश्न पूछे जाते हैं || Every year questions are directly/indirectly asked from NCERTs
- 📖 मूल सिद्धांतों को समझने में सहायक || Help you save a lot of time understanding the fundamentals
- 📖 मजबूत नींव बनाने में सहायक || To build a strong foundation.
- 📖 महत्वपूर्ण तथ्यात्मक जानकारी का भंडार || Huge amount of information
- 📖 बोधगम्य और अत्यधिक विश्वसनीय || Comprehensible and is highly reliable
- 📖 उत्तर लिखने और नोट्स बनाने में मदद || Helps in answer writing & Notes Making :- Adequate use of pictures, tables, descriptive examples, maps, and an easy-to-understand language || चित्रों, सरलीकृत तालिकाओं, वर्णनात्मक उदाहरणों, मानचित्रों और आसानी से समझ में आने वाली भाषा का पर्याप्त उपयोग
- 📖 वैकल्पिक विषय चुनने में सहायक || Help to choose optional subject

3) कैसे पढ़ें? || How to read?

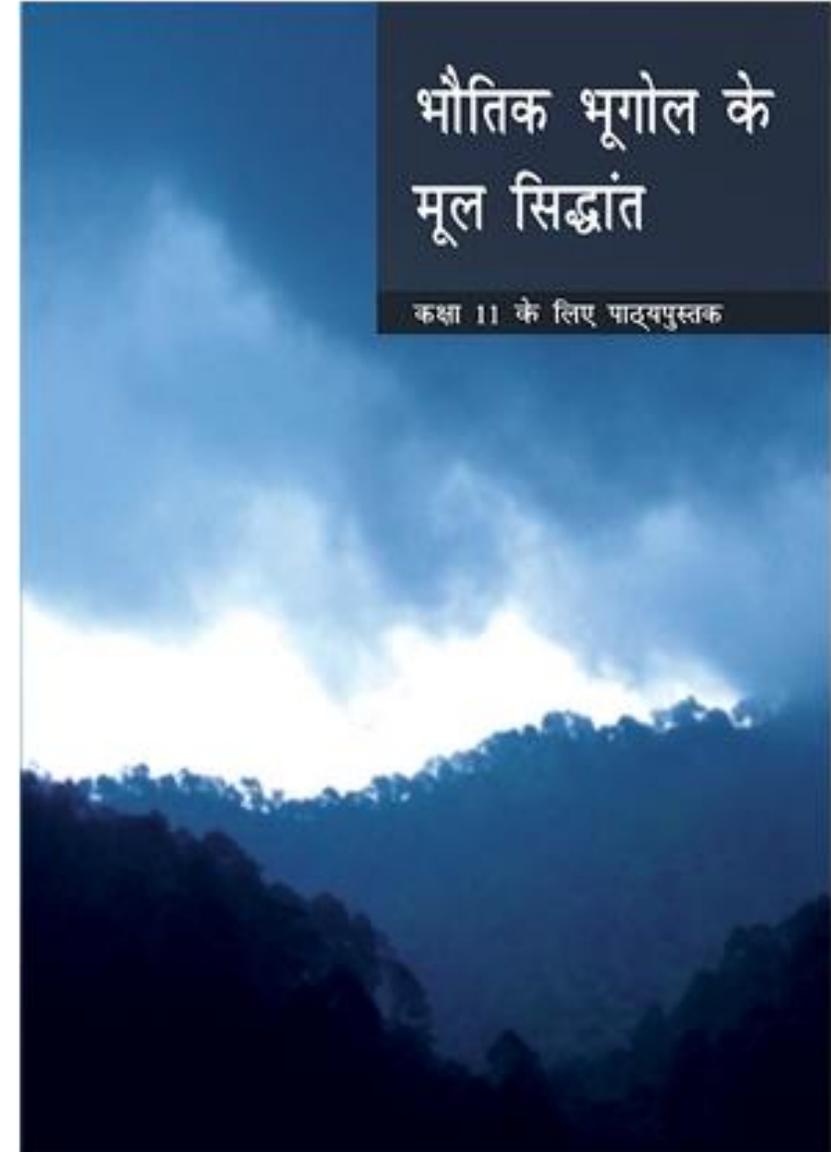
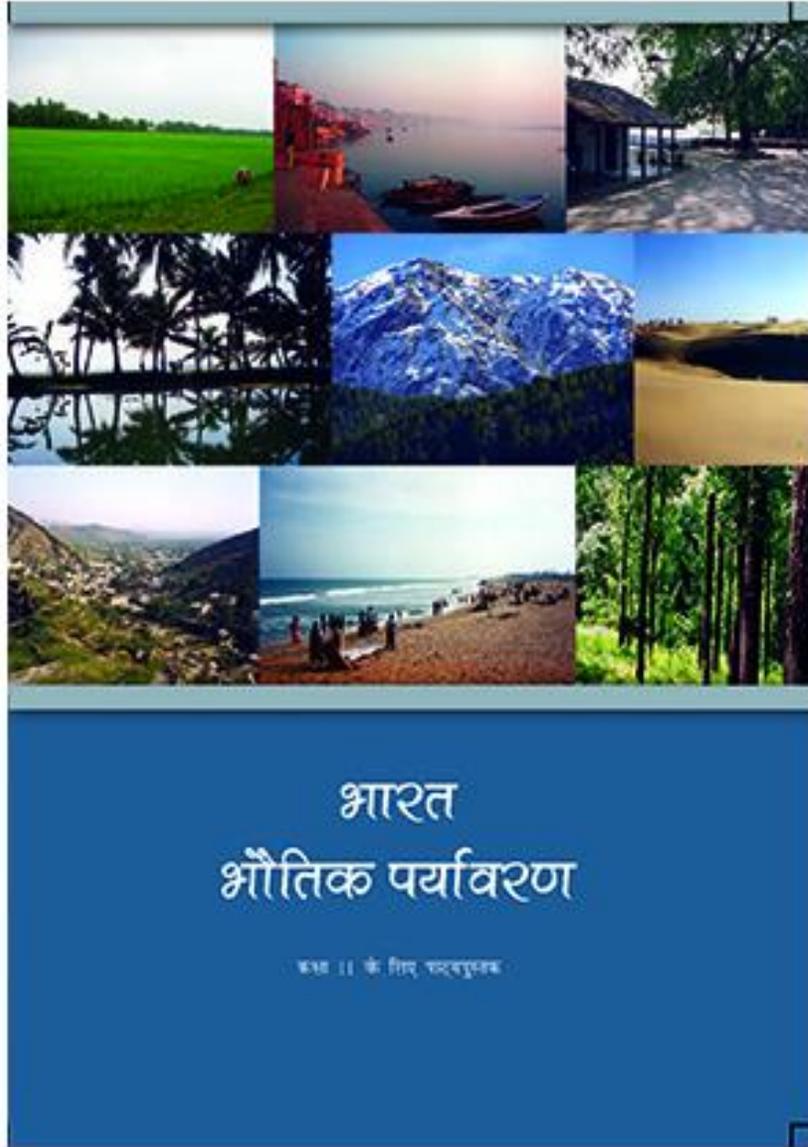


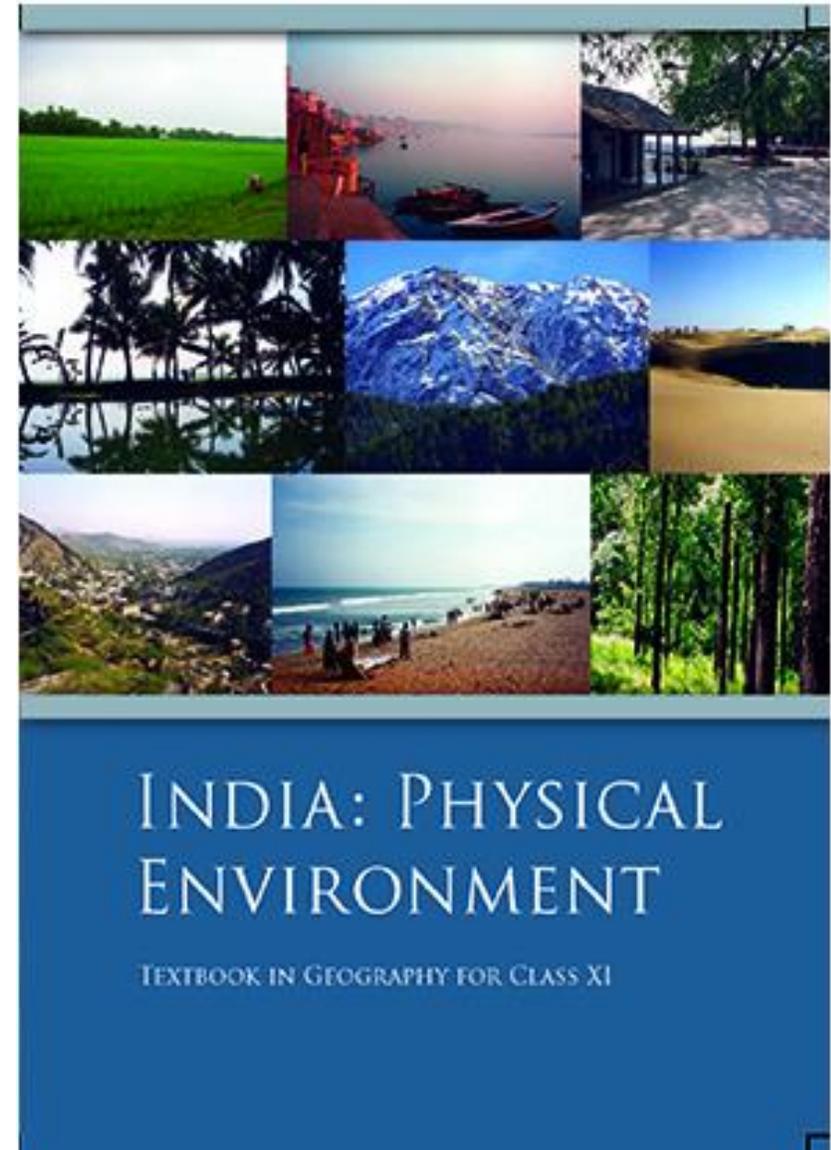
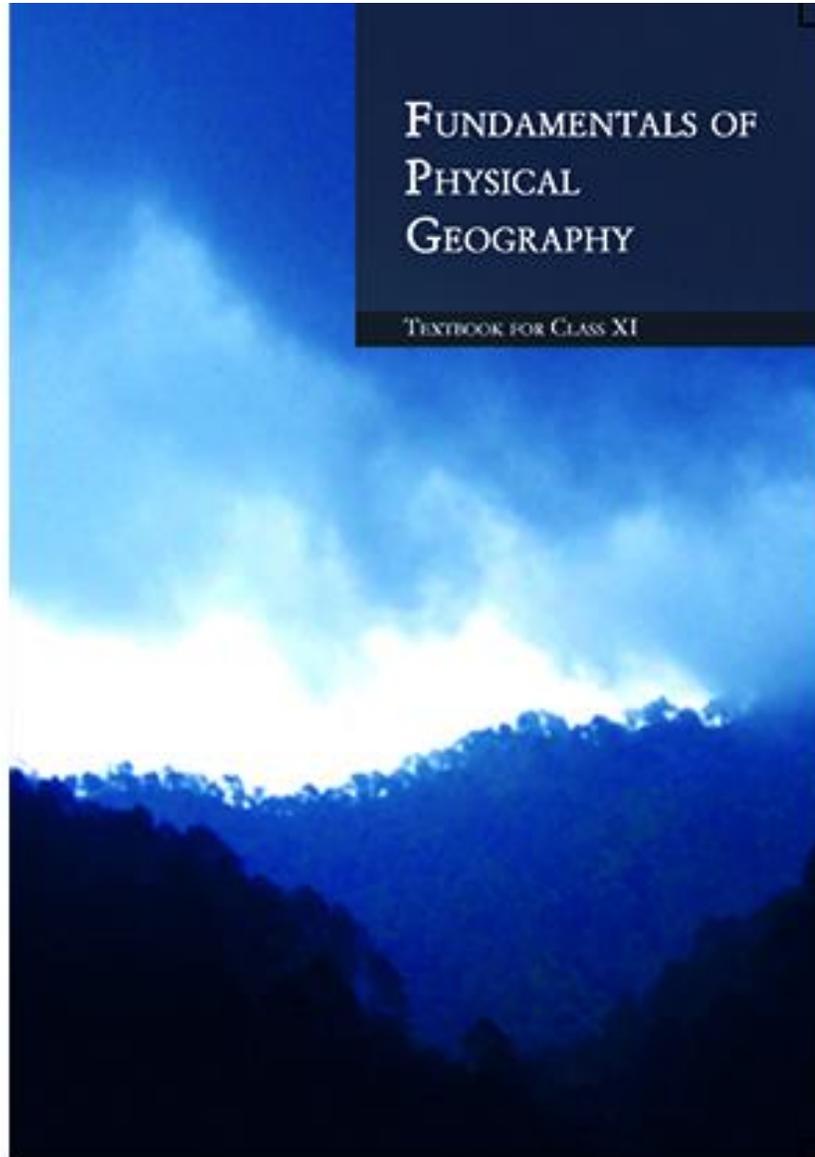
- ☞ बेहतर कनेक्टिविटी के लिए, कक्षा के अनुसार न पढ़कर विषय के अनुसार पढ़ें || Read subject-wise and not class-wise for better connectivity
- ☞ चयनात्मक बने || Be selective
- ☞ इन पुस्तकों को दो से तीन बार पढ़ना चाहिए || Requires 2-3 reading
- ☞ पहली रीडिंग में महत्वपूर्ण बिंदुओं को हाइलाइट करें और दूसरी रीडिंग में सिनॉप्सिस बनाएं || Highlight important points in 1st reading and make synopsis in the 2nd reading
- ☞ पुस्तक के प्रश्नों तथा क्रियाकलापों को सॉल्व करें || Solve the questions and activities in the book
- ☞ एनसीईआरटी में दिए गए परिचय और भाषा का प्रयोग उत्तर लेखन में करना शुरू करें, इसकी शुरुआत एनसीईआरटी के प्रश्नों के उत्तर लिखकर की जा सकती है || Start using the introduction and language given in NCERT in answer writing, it can be started by writing answers to NCERT questions
- ☞ विश्व और भारत की समसामयिकी से जोड़े || Link them with current trends around the world
- ☞ **Revision** :- यह एनसीईआरटी को पूरा करने के बारे में नहीं है, बल्कि प्रमुख अवधारणाओं और तथ्यों को याद रखने के बारे में है || It is not about completing the NCERTs, but remembering the key concepts and facts

GEOGRAPHY



- 📖 6th – The Earth : Our Habitat || पृथ्वी : हमारा पर्यावास
- 📖 7th – Our Environment || हमारा पर्यावरण
- 📖 8th – Resources & Development || संसाधन और विकास
- 📖 9th – Contemporary India || समकालीन भारत
- 📖 10th – Contemporary India || समकालीन भारत
- 📖 11th – Fundamentals of Physical Geography || भौतिक भूगोल के मूल सिद्धांत
- 📖 11th – India – Physical Environment || भारत – भौतिक पर्यावरण
- 📖 12th – Fundamentals of Human Geography || मानव भूगोल के मूल सिद्धांत
- 📖 12th – India – People & Economy || भारत - लोग और अर्थव्यवस्था





मानव भूगोल के मूल सिद्धांत

कक्षा 12 के लिए पाठ्यपुस्तक



**BUY
NOW**

कक्षा 12 के लिए
भूगोल की
पाठ्यपुस्तक



भारत लोग और अर्थव्यवस्था



5) हमारी रणनीति || Our Strategy

- 1) हमने एनसीईआरटी के पूरे अध्याय को यूनिट में बांट दिया है || We have divided the entire chapter of NCERT into units
- 2) हम कक्षा के अनुसार एनसीईआरटी नहीं पढ़ेंगे बल्कि टॉपिक के अनुसार पढ़ेंगे || We will not read class wise but topic wise
- 3) पहले किसी अध्याय से संबंधित कंसेप्ट को समझाया जाएगा || First the concept related to any chapter will be explained
- 4) परिभाषा और कीवर्ड को हाइलाइट किया जाएगा || Definition and keywords will be highlighted
- 5) अध्याय खत्म होने के बाद मुख्य तथ्य को एक स्थान पर लिखा जाएगा || After the chapter, the facts will be written at one place
- 6) मुख्य परीक्षा की आंसर राइटिंग से संबंधित कंटेंट को अध्याय के बाद प्रदान किया जाएगा || The content related to answer writing of main exam will be provided after the chapter
- 7) अध्याय से संबंधित पिछले वर्षों के प्रश्न और संभावित प्रश्नों को हल करेंगे || Will solve PYQ & possible questions
- 8) करंट अफेयर से जोड़ने का प्रयास करेंगे || Will try to connect with current affair
- 9) कक्षा का पीडीएफ अत्यंत व्यवस्थित ढंग से दिया जाएगा, हालांकि कक्षा के पीडीएफ में हिंदी और अंग्रेजी एक साथ में होगी लेकिन उसे प्रिंट फॉर्मेट में कन्वर्ट किया जाएगा || The PDF of the class will be given in a very systematic manner, although the PDF of the class will have Hindi and English both, but it will be converted to print format
- 10) कंपैरिजन मेथड और फ्लोचार्ट मेथड का उपयोग किया जाएगा || Comparison method and flowchart method will be used

6) आपसे आशाएं || Hopes from you



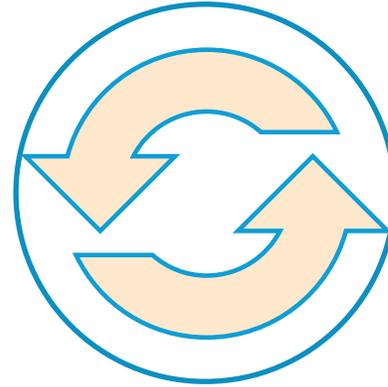
WATCH



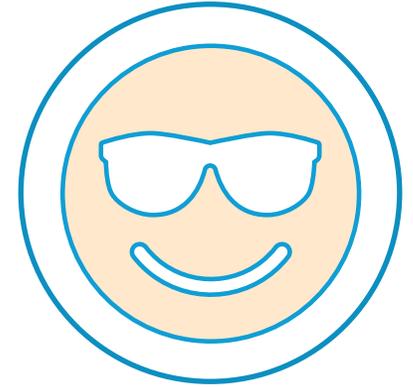
READ



WRITE



REVISE



**KEEP IT
SIMPLE**





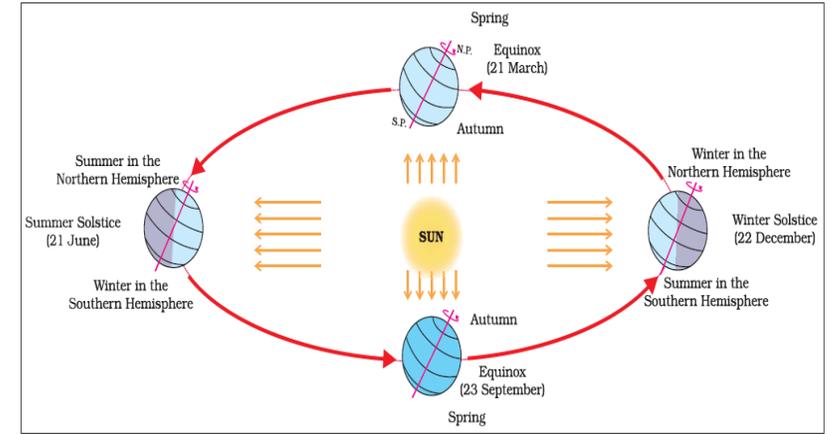
**“I fear not the man who has
practiced 10,000 kicks once,
but I fear the man who has
practiced one kick 10,000
times.”**

7) एनसीईआरटी से पिछले वर्षों के प्रश्न || UPSC PYQs from NCERT

1) In the northern hemisphere, the longest day of the year normally occurs in the || उत्तरी गोलार्ध में, वर्ष का सबसे लंबा दिन सामान्य रूप से होता है : (2022)

- A. First half of the month of June || जून महीने का पहला भाग
- B. Second half of the month of June || जून माह का दूसरा भाग
- C. First half of the month of July || जुलाई के महीने की पहली छमाही
- D. Second half of the month of July || जुलाई माह का दूसरा भाग

getting light from the sun, it is summer in the regions north of the equator. The longest day and the shortest night at these places occur on 21st June. At this time in the Southern Hemisphere all these conditions are reversed. It is winter season there. The nights are longer than the days. This position of the earth is called the



चित्र 3.3 में आप देखेंगे कि 21 जून को उत्तरी गोलार्ध सूर्य की तरफ झुका है। सूर्य की किरणें कर्क रेखा पर सीधी पड़ती हैं। इसके परिणामस्वरूप इन क्षेत्रों में ऊष्मा अधिक प्राप्त होती है। ध्रुवों के पास वाले क्षेत्रों में कम ऊष्मा प्राप्त होती है, क्योंकि वहाँ सूर्य की किरणें तिरछी पड़ती हैं। उत्तर ध्रुव सूर्य की तरफ झुका होता है तथा उत्तरी ध्रुव रेखा के बाद वाले भागों पर लगभग 6 महीने तक लगातार दिन रहता है। चूँकि, उत्तरी गोलार्ध के बहुत बड़े भाग में सूर्य की रोशनी प्राप्त होती है, इसलिए विषुवत् वृत्त के उत्तरी भाग में गर्मी का मौसम होता है। 21 जून को इन क्षेत्रों में सबसे लंबा दिन तथा सबसे छोटी रात होती है। पृथ्वी की इस अवस्था को उत्तर अयनांत कहते हैं।

2) The black cotton soil of India has been formed due to the weathering of || भारत की काली कपासी मिट्टी का

निर्माण किसके अपक्षय के कारण हुआ है? : (2021)

- A. Brown forest soil || भूरी जंगल की मिट्टी
- B. Fissure volcanic rock || विदर ज्वालामुखीय चट्टान
- C. Granite and schist || ग्रेनाइट और सिस्ट
- D. Shale and limestone || शेल और चूना पत्थर

Black Soil

These soils are black in colour and are also known as *regur* soils. Black soil is ideal for growing cotton and is also known as *black cotton soil*. It is believed that climatic condition along with the parent rock material are the important factors for the formation of black soil. This type of soil is typical of the Deccan trap (*Basalt*) region spread over northwest Deccan plateau and is made up of lava flows. They cover the plateaus of Maharashtra, Saurashtra, Malwa, Madhya Pradesh and Chhattisgarh and extend in the south east direction along the Godavari and the Krishna valleys.

काली मृदा

इन मृदाओं का रंग काला है और इन्हें 'रेगर' मृदाएँ भी कहा जाता है। काली मृदा कपास की खेती के लिए उचित समझी जाती है और काली कपास मृदा के नाम से भी जाना जाता है। यह माना जाता है कि जलवायु और जनक शैलों ने काली मृदा के बनने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस प्रकार की मृदाएँ दक्कन पठार (बेसाल्ट) क्षेत्र के उत्तर पश्चिमी भागों में पाई जाती हैं और लावा जनक शैलों से बनी है। ये मृदाएँ महाराष्ट्र, सौराष्ट्र, मालवा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के पठार पर पाई जाती हैं और

संसाधन एवं विकास

7



3) With reference to the water on the planet Earth, consider the following statements || पृथ्वी ग्रह पर जल के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें (2021):

(1) The amount of water in the rivers and lakes is more than the amount of groundwater || नदियों और झीलों में पानी की मात्रा भूजल की मात्रा से अधिक है

(2) The amount of water in polar ice caps and glaciers is more than the amount of groundwater || ध्रुवीय बर्फ की चोटियों और ग्लेशियरों में पानी की मात्रा भूजल की मात्रा से अधिक है

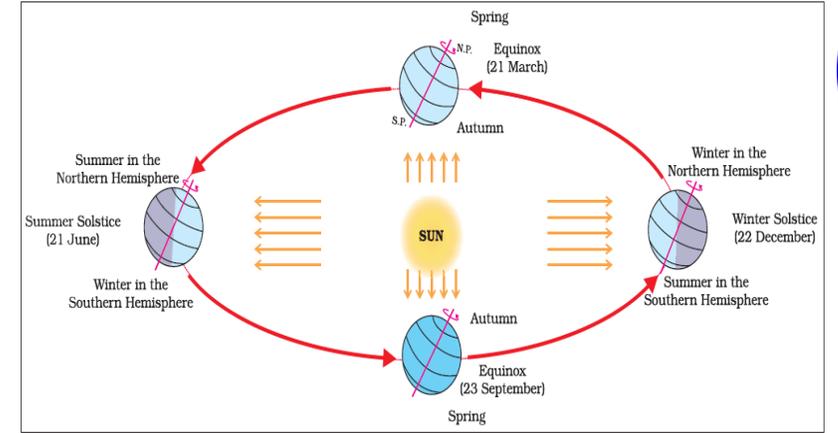
Which of the statements given above is/are correct? || ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

- A. 1 only
- B. 2 only
- C. Both 1 and 2
- D. Neither 1 nor 2

Oceans	:	97.3	Saline Water
Ice-caps	:	02.0	} Fresh Water
Ground water	:	0.68	
Fresh water lakes	:	0.009	
Inland seas and salt lakes	:	0.009	
Atmosphere	:	0.0019	
Rivers	:	0.0001	
		<hr/>	
		100.00	

4) On 21st June, the Sun || 21 जून को सूर्य (2019) :

- A. does not set below the horizon at the Arctic Circle || आर्कटिक सर्कल में क्षितिज के नीचे नहीं होता है
- B. does not set below the horizon at Antarctic Circle || अंटार्कटिक सर्कल में क्षितिज के नीचे नहीं होता है
- C. shines vertically overhead at noon on the Equator || भूमध्य रेखा पर दोपहर के समय लंबवत रूप से चमकता है
- D. shines vertically overhead at the Tropic of Capricorn || मकर रेखा पर लंबवत रूप से चमकता है



getting light from the sun, it is summer in the regions north of the equator. The longest day and the shortest night at these places occur on 21st June. At this time in the Southern Hemisphere all these conditions are reversed. It is winter season there. The nights are longer than the days. This position of the earth is called the

चित्र 3.3 में आप देखेंगे कि 21 जून को उत्तरी गोलार्ध सूर्य की तरफ झुका है। सूर्य की किरणें कर्क रेखा पर सीधी पड़ती हैं। इसके परिणामस्वरूप इन क्षेत्रों में ऊष्मा अधिक प्राप्त होती है। ध्रुवों के पास वाले क्षेत्रों में कम ऊष्मा प्राप्त होती है, क्योंकि वहाँ सूर्य की किरणें तिरछी पड़ती हैं। उत्तर ध्रुव सूर्य की तरफ झुका होता है तथा उत्तरी ध्रुव रेखा के बाद वाले भागों पर लगभग 6 महीने तक लगातार दिन रहता है। चूँकि, उत्तरी गोलार्ध के बहुत बड़े भाग में सूर्य की रोशनी प्राप्त होती है, इसलिए विषुवत् वृत्त के उत्तरी भाग में गर्मी का मौसम होता है। 21 जून को इन क्षेत्रों में सबसे लंबा दिन तथा सबसे छोटी रात होती है। पृथ्वी की इस अवस्था को उत्तर अयनांत कहते हैं।

5) Why are dewdrops not formed on a cloudy night? || बादल वाली रात में ओस की बूंदें क्यों नहीं बनती हैं? (2019) :

- A. Clouds absorb the radiation released from the Earth's surface || बादल पृथ्वी की सतह से निकलने वाले विकिरण को अवशोषित कर लेते हैं।
- B. Clouds reflect back the Earth's radiation || बादल पृथ्वी के विकिरण को परावर्तित करते हैं।
- C. The Earth's surface would have low temperature on cloudy nights || बादल वाली रातों में पृथ्वी की सतह का तापमान कम होगा।
- D. Clouds deflect the blowing wind to ground level || बादल बहती हवा को जमीनी स्तर पर विक्षेपित करते हैं।

Dew

When the moisture is deposited in the form of water droplets on cooler surfaces of solid objects (rather than nuclei in air above the surface) such as stones, grass blades and plant leaves, it is known as *dew*. The ideal conditions for its formation are clear sky, calm air, high relative humidity, and cold and long nights. For the formation of dew, it is necessary that the dew point is above the freezing point.

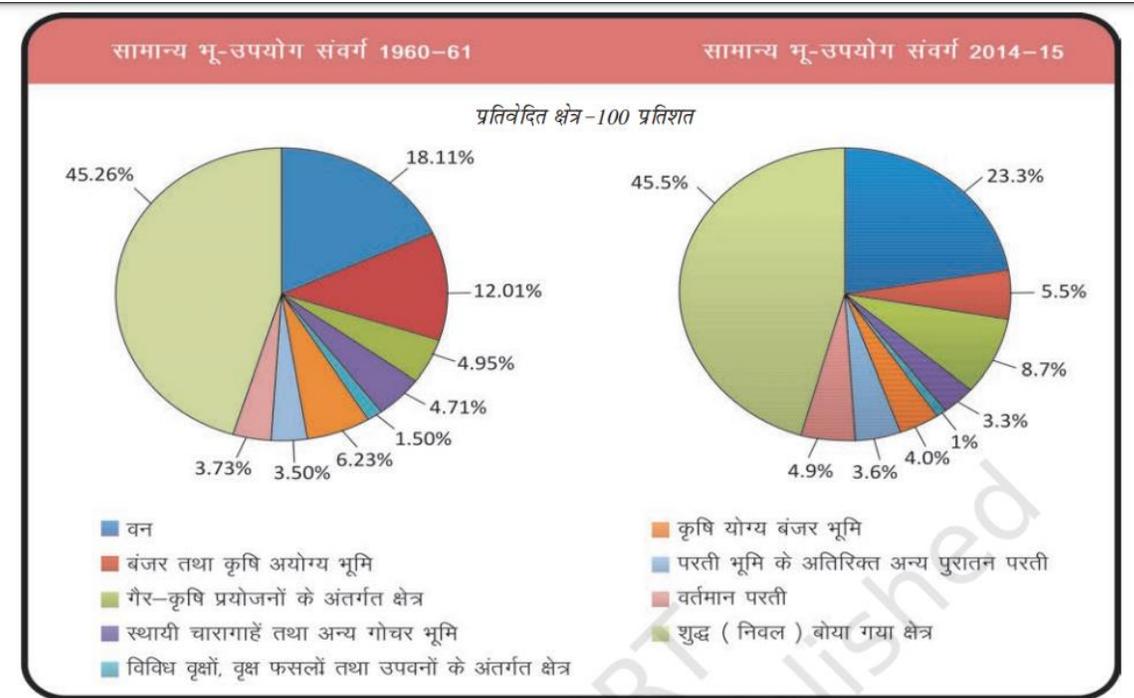
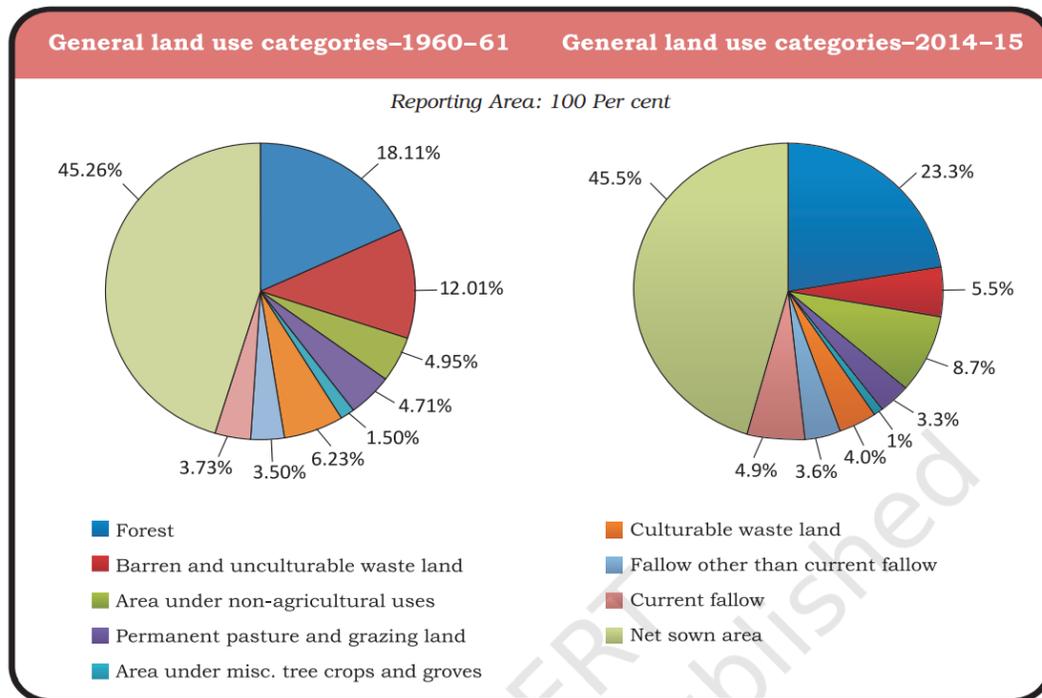
ओस

जब आर्द्रता धरातल के ऊपर हवा में संघनन केंद्रकों पर संघनित न होकर ठोस वस्तु जैसे पत्थर, घास, तथा पौधों की पत्तियों की ठंडी सतहों पर पानी की बूंदों के रूप में जमा होती है तब इसे ओस के नाम से जाना जाता है। इसके बनने के लिए सबसे उपयुक्त अवस्थाएँ साफ आकाश, शांत हवा, उच्च सापेक्ष आर्द्रता तथा ठंडी एवं लंबी रातें हैं। ओस के बनने के लिए यह आवश्यक है कि ओसांक जमाव बिंदु से ऊपर हो।

6) The approximate representation of land use classification in India is || भारत में भूमि उपयोग वर्गीकरण का अनुमानित प्रतिनिधित्व है (2010):



- A. Net area sown 25%; forests 33%; other areas 42% || 25% बोया गया शुद्ध क्षेत्र; वन 33%; अन्य क्षेत्र 42%
- B. Net area sown 58%; forests 17%; other areas 25% || निवल बोया गया क्षेत्र 58%; वन 17%; अन्य क्षेत्र 25%
- C. Net area sown 43%; forests 29%; other areas 28% || निवल बोया गया क्षेत्र 43%; वन 29%; अन्य क्षेत्र 28%
- D. Net area sown 47%; forests 23%; other areas 30% || शुद्ध बोया गया क्षेत्र 47%; वन 23%; अन्य क्षेत्र 30%



7) Differentiate the causes of landslides in the Himalayan region and Western Ghats || हिमालयी क्षेत्र और

पश्चिमी घाट में भूस्खलन के कारणों में अंतर स्पष्ट कीजिए (2021 – 150 Words)

Landslides

Have you ever read about the blocking of roads to Srinagar or disruption of rail services by stones falling on the Konkan Railway track? It happens due to landslide, which is the rapid sliding of large mass of bedrocks. Disasters due to landslides, are in general, far less dramatic than due to earthquakes, volcanic eruptions, tsunamis and cyclones but their impact on the natural environment and national economy is in no way less severe. Unlike other disasters that are sudden, unpredictable and are largely controlled by macro or regional factors, landslides are largely controlled by highly localised factors. Hence, gathering information and monitoring the possibilities of landslide is not only difficult but also immensely cost-intensive.

It is always difficult to define in a precise statement and generalise the occurrence and behaviour of a landslide. However, on the basis of past experiences, frequency and certain causal relationships with the controlling factors like geology, geomorphic agents, slope, land-use, vegetation cover and

खिसककर ढाल से नीचे गिरता है। सामान्यतः भूस्खलन भूकंप, ज्वालामुखी फटने, सुनामी और चक्रवात की तुलना में कोई बड़ी घटना नहीं है, परन्तु इसका प्राकृतिक पर्यावरण और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव पड़ता है। अन्य आपदाओं के विपरीत, जो आकस्मिक, अननुमेय तथा बृहत स्तर पर दीर्घ एवं प्रादेशिक कारकों से नियंत्रित हैं, भूस्खलन मुख्य रूप से स्थानीय कारणों से उत्पन्न होते हैं। इसलिए भूस्खलन के बारे में आँकड़े एकत्र करना और इसकी संभावना का अनुमान लगाना न सिर्फ मुश्किल अपितु काफी महँगा पड़ता है।

भूस्खलन को परिभाषित करना और इसके व्यवहार को शब्दों में बाँधना मुश्किल कार्य है। परन्तु फिर भी पिछले अनुभवों, इसकी बारंबारता और इसके घटने को प्रभावित करने वाले कारकों, जैसे - भूविज्ञान, भूआकृतिक कारक, ढाल, भूमि उपयोग, वनस्पति आवरण और मानव क्रियाकलापों के आधार पर भारत को विभिन्न भूस्खलन क्षेत्रों में बाँटा गया है।

Landslide Vulnerability Zones

Very High Vulnerability Zone: Highly unstable, relatively young mountainous areas in the Himalayas and Andaman and Nicobar, high rainfall regions with steep slopes in the Western Ghats and Nilgiris, the north-eastern regions, along with areas that experience frequent ground-shaking due to earthquakes, etc. and areas of intense human activities, particularly those related to construction of roads, dams, etc. are included in this zone.

High Vulnerability Zone : Areas that have almost similar conditions to those included in the very high vulnerability zone are also included in this category. The only difference between these two is the combination, intensity and frequency of the controlling factors. All the Himalayan states and the states from the north-eastern regions except the plains of Assam are included in the high vulnerability zones.

Moderate to Low Vulnerability Zone : Areas that receive less precipitation such as Trans-Himalayan areas of Ladakh and Spiti (Himachal Pradesh), undulated yet stable relief and low precipitation areas in the Aravali, rain shadow areas in the Western and Eastern Ghats and Deccan plateau also experience occasional landslides. Landslides due to mining and

8) हमारा पाठ्यक्रम - भूगोल || Our Curriculum – Geography

- इकाई 1 || Unit 1 :- परिचय एवं रणनीति || Introduction and Strategy
- इकाई 2 || Unit 2 :- ब्रह्मांड व पृथ्वी की उत्पत्ति || Origin of Universe and Earth
- इकाई 3 || Unit 3 :- पृथ्वी की आंतरिक संरचना || Earth's internal structure
- इकाई 4 || Unit 4 :- चट्टान
- इकाई 5 || Unit 5 :- भू-आकृति विज्ञान || Geomorphology
- इकाई 6 || Unit 6 :- समुद्र विज्ञान || Oceanography
- इकाई 7 || Unit 7 :- जलवायु विज्ञान || Climatology
- इकाई 8 || Unit 8 :- जैव भूगोल || Biogeography
- इकाई 9 || Unit 9 :- भारत का भौतिक भूगोल || Physical Geography of India
- इकाई 10 || Unit 10 :- आर्थिक भूगोल व संसाधन || Economic Geography and Resources
- इकाई 11 || Unit 11 :- मानव भूगोल व संसाधन || Human Geography and Resources
- इकाई 12 || Unit 12 :- भारत का आर्थिक भूगोल || Economic Geography of India
- इकाई 13 || Unit 13 :- भारत का मानव भूगोल || Human Geography of India

